



Sakshi Malik Falunts Her Curves...

इधर ईद की खुशी, उधर सरहुल का उल्लास

सभी मस्जिदों व ईदगाहों में अदा की गई ईद की नमाज, एक-दूसरे को गले लगा दी बधाई

सरहुल पूजा के बाद पाहन की भविष्यवाणी राज्य में इस वर्ष अच्छी बारिश की संभावना

PHOTON NEWS RANCHI :

बुधवार को ईद-उल-फितर का चांद नजर आने के उपरांत गुरुवार को राजधानी रांची सहित झारखंड की सभी मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की गई। रांची की सभी मस्जिदों और ईदगाहों में नामाजियों की भारी भीड़ देखी गई। मुस्लिम समुदाय के पुरुषों ने मस्जिदों में नमाज अदा की। वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी ईद की नमाज पढ़ते नजर आए। महिलाओं और लड़कियों ने घरों पर एतिकाफ पढ़ा। नमाज पढ़ने के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। ईद को देखते हुए सभी मस्जिदों के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात थे, ताकि किसी भी तरह से सामाजिक सद्भाव और सौहार्द बना रहे।



गुरुवार को रांची में ईद की नमाज अदा करते अकीदतमंद। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI :

रांची के मोरहावादी स्थित हातमा सरना स्थल सहित शहर के अखड़ा और अन्य सरना स्थलों पर परंपरागत रीति-रिवाज से सरहुल की पूजा की गई। मुख्य पाहन जगलाल ने विधिविधान के साथ सरहुल की पूजा की। पूजा संपन्न होने के बाद मुख्य पाहन ने घड़े में रखे पानी को दिखा देखकर भविष्यवाणी की कि इस बार झारखंड में मानसून सामान्य रहेगा। झारखंड के हर क्षेत्र में अच्छी बारिश होगी। रांची के विभिन्न अखड़ा और सरना स्थलों से सरहुल पर्व को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। लोगों में उल्लास दिखा। शोभा यात्रा मुख्य सरना स्थल सिम टोली में समाप्त हुई। मुख्य पाहन ने अपील की कि वह प्रकृति से छेड़छाड़ ना करें, नहीं तो आने वाले दिनों में हम शुद्ध पानी और हवा के लिए तरसेंगे।



गुरुवार को रांची में सरहुल जुलूस में भाग लेते लोग। • फोटोन न्यूज

SHARE

सेसेक्स	: 75,038.15
निफ्टी	: 22,753.80

SARAFI

सोना	: 6,770
चांदी	: 89.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीएम चम्पाई ने राज्य वासियों को ईद और सरहुल की दी बधाई

RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने गुरुवार को राज्य वासियों को प्रकृति पर्व सरहुल और ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा है कि प्रकृति पर्व सरहुल पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार। उन्होंने लिखा है कि सरहुल का संदेश है कि प्रकृति के पेड़-पौधों, पहाड़, नदी, जमीन, सूर्य की तरह हम सभी आपस में प्रेम, भाईचारे व एकता के साथ रहें तथा समाज से जुड़े रहें।

संदेशखाली पर शिकायतों का अब सीबीआई लेगी संज्ञान

NEW DELHI : संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन कब्जाने की शिकायतों के संबंध में अब सीधे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को शिकायत की जा सकती है। सीबीआई ने इसके लिए ईमेल आईडी जारी की है। सीबीआई ने इस ईमेल आईडी के व्यापक प्रचार के लिए भी स्थानीय प्रशासन से अनुरोध किया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने के लिए सीबीआई ने यह कदम उठाया है। सीबीआई इन शिकायतों पर सीधे संज्ञान लेगी। सीबीआई ने एक जारी बयान में कहा है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ के बुधवार 10 अप्रैल के आदेश के तहत यह ईमेल आईडी बनाई है। इस आईडी पर संदेशखाली उत्तर 24 परगना जिले के व्यक्तियों की शिकायतें दर्ज होंगी।

ईडी के बाद अब सीबीआई की गिरफ्त में के. कविता

NEW DELHI : भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेत्री के. कविता अभी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों के तहत जेल में बंद है वहीं जेल में ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पूछताछ के लिए उन्हें गिरफ्त में ले लिया है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने पूछताछ के लिए पहले ही अनुमति ले ली थी। कानूनी जानकारों के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली की अदालत में के. कविता के मामले में सुनवाई है।

हरियाणा में पलटी स्कूल बस, छह बच्चों की गई जान

MAHENDRAGARH : हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित कनीना गांव के पास गुरुवार को स्कूल बस पलटने से छह बच्चों की मौत हो गई और 15 गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। जौलपी स्कूल कनीना की बस गांव सेहलंग, खेड़ी-वलवाना, खरकड़ा बास, धनौदा रूट से करीब 43 बच्चों को बैठाया था। इसके बाद करीब 8:30 बजे जब गांव उन्हाणी के नजदीक स्थित महाविद्यालय के पास पहुंची तो मोड़ पर चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और पेड़ से टकराने के बाद बस पलट गई। कुछ प्रत्यक्षियों का कहना है कि बस चालक शराब के नशे में था। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई, इसी दौरान आसपास के लोगों एवं सड़क पर दोनो ओर से आ रहे वाहन चालकों ने मौके से बच्चों को बस से निकालकर अपने वाहनों में अस्पतालों में पहुंचाया।

मिसिर बेसरा के दस्ते से जुड़े 15 नक्सलियों ने चाईबासा में किया सामूहिक आत्मसमर्पण

PHOTON NEWS CHAIBASA :

झारखंड में भाकपा माओवादी संगठन के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। राज्य के घोर नक्सल प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा में 15 नक्सलियों ने एक साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक नाबालिग बच्चा और दो महिलाएं भी शामिल हैं। ये सभी पश्चिमी सिंहभूम जिले के ही निवासी हैं और मिसिर बेसरा के दस्ते से जुड़े थे। गुरुवार को चाईबासा स्थित पुलिस लाइन में पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन, पुलिस एवं सीआरपीएफ के समक्ष



सामूहिक रूप से कोल्हान और सारंडा के बीहड़ जंगलों में सक्रिय इन नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में रेंगड़ा गांव के गुरुदाई टोला का रहने वाला प्रधान कोड़ा उर्फ देवेन कोड़ा, सासांगसाल गांव निवासी चंद्रमोहन उर्फ चंद्र अंगारिया, हुसैनी गांव का पणला गोप उर्फ घासीराम गोप, गोइलेकरा के कुड़ड़ा गांव के श्रीजंगकोच

का विजय बोयाई उर्फ अमन बोयाई, तुम्बाहाका के पुर्ती टोला का गंगराम पुरती उर्फ मोतक पुरती, टोटो के रेंगड़ाहातु का बोयो कोड़ा, रेंगड़ाहातु का जोगेन कोड़ा, रेंगड़ाहातु की पेलींग कोड़ा उर्फ नीशा कोड़ा, छोटानगरा के बाहदा का सोनु चाँपिया, तुम्बाहाका के पुर्ती टोला का रामजा पुरती उर्फ दुग्द पुरती, तुम्बाहाका के वारुसाई टोला का सोहन सिंह हेन्ब्रम उर्फ सीनू, गोइलेकरा के सासांग का डोरन चाँपिया उर्फ गोलमाव, तितलीघाट का सुशील उर्फ मोगा चाँपिया, तितलीघाट की मनी चाँपिया व एक नाबालिग शामिल हैं।

सेना बोली- तीनों थे आतंकी, हमले में चार पोते-पोती की भी मौत, उनकी कार पर हुई एयरस्ट्राइक

इजराइली हमले में मारे गए हमारा चीफ के तीन बेटे

AGENCY NEW DELHI :

इजराइल के हमले में बुधवार देर रात हमारा चीफ इस्माइल हानिए के तीन बेटों की मौत हो गई। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली सेना ने गाजा के अल-शती कैम्प के पास एक कार पर एयरस्ट्राइक की। इसमें इस्माइल हानिए के तीन बेटों, 3 पोतियों और एक पोते की मौत हो गई। मौत की पुष्टि खुद हानिए ने की है।



हमारा चीफ के तीन बेटे।

हानिए बोला- तीनों की शहादत का सम्मान करते हैं : इस्माइल हानिए ने कतर के मीडिया हाउस अल जजीरा को तीन बेटों की मौत की पुष्टि की। कहा, रउनकी शहादत का सम्मान हमें देने के लिए अल्लाह का शुक्रिया है वहीं, अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में हानिए ने कहा कि हमारा सरेंडर नहीं करेगा और हमले जारी रखेगा। हानिए ने कहा, उनका (इजराइलियों का) खून यरुशलम और अल-अक्सा की आजादी के लिए बहाएंगे। इसी राह पर बिना संकोच के आगे बढ़ते रहेंगे। उनके खून से हम अपने लोगों और अपने उद्देश्य के लिए आशा, भविष्य और स्वतंत्रता लाएंगे।



हमले में क्षतिग्रस्त कार।

हमारी माँग साफ है। दुश्मन अगर सोचता है कि बातचीत से कुछ बचलाव आ सकते हैं तो यह उसकी गलतफहमी है। अगर उन्हें लगता है कि मेरे बेटों को निशाना बनाकर हमारा को अपनी स्थिति बदलने के लिए मजबूर किया जा सकता है तो यह गलत है। मेरे बेटों का खून हमारे लोगों के खून से ज्यादा प्यार नहीं है।



संक्रामक रोगों को आम तौर पर लोग संजीदगी से नहीं लेते। भारत में ज्यादातर लोग मुंहासों के इलाज के लिए या तो घरेलू नुस्खे अपनाते हैं या उन्हें पूरी तरह से अनदेखा कर देते हैं। बहुत कम लोग होते हैं जो डॉक्टर के पास जा कर इलाज कराते हैं। ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मुंहासे पैदा करने वाला बैक्टीरिया एमआरएसए जानलेवा भी हो सकता है।

जानलेवा बैक्टीरिया एमआरएसए

मुंहासे पैदा करने वाला मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफ़िलोकोकस ऑरेंस या एमआरएसए एक ऐसा बैक्टीरिया है, जो आम तौर पर त्वचा पर आक्रमण करता है। अमेरिका में ज्यादातर त्वचा के रोग इसी विषाणु के कारण होते हैं। मुंहासों तक तो इन पर काबू कर लिया जाता है, लेकिन अगर यह किसी चोट द्वारा खून के अंदर पहुंच जाएं, तो यह शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। खास तौर से ऑपरेशन के दौरान अगर ध्यान न दिया जाए तो यह पूरे शरीर में इन्फेक्शन फैला सकता है।

एंटी बायोटिक का असर नहीं
एमआरएसए को सबसे पहली बार 1961 में खोजा गया था। इससे छुटकारा पाने के लिए

एंटी बायोटिक का इस्तेमाल भी किया गया, लेकिन इतने वर्षों में इन विषाणुओं ने खुद को इन दवाइयों के हिसाब से ढाल लिया है। मेथिसिलिन, अमोक्सिसिलिन, मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफ़िलोकोकस ऑरेंस या एमआरएसए पेनिसिलिन, ओक्सिसिलिन जैसे ज्यादातर एंटी बायोटिक अब इन पर काम करने में विफल रहते हैं। वैज्ञानिक अब नए एंटी बायोटिक बनाने में लगे हैं।

यूरोप में लाखों बीमार
यूरोप में हर साल चालीस लाख से अधिक लोग अस्पतालों में इन्ही एमआरएसए विषाणुओं का शिकार होते हैं। इनमें से 35,000 जर्मनी में हैं। एक अध्ययन के अनुसार यूरोप में हर साल 37,000 लोग इसलिए अपनी जान गंवा बैठते हैं,

क्योंकि वे अस्पताल में आकर बीमार पड़ते हैं और समय रहते उनका सही इलाज नहीं हो पाता। यूरोपीय संघ कोशिश कर रहा है कि अस्पतालों में साफ-सफाई के मापदंड अब और भी सख्त कर दिए जाएं।

मरीज की पहचान जरूरी

जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन चाहता है कि जर्मनी के हर अस्पताल में मरीज को भर्ती करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच कर ली जाए कि कहीं वह अपने साथ इस कीटाणु को तो नहीं लाया है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है, ताकि मरीज की पहचान कर ली जाए और उसे बाकी मरीजों से अलग रखा जाए। जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड में 25 प्रतिशत

मरीजों में यह कीटाणु पाया गया। स्पेन और तुर्की जैसे अन्य दक्षिण यूरोपीय देशों में हालात और भी खराब हैं। वहां 50 प्रतिशत मरीज इस विषाणु से संक्रमित हैं।

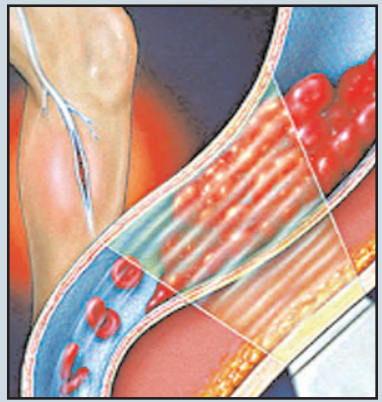
एमआरएसए का बढ़ता खतरा

पिछले वर्षों में एमआरएसए के केस इतनी तेजी से बढ़े हैं कि अब इसे कामकाज संबंधी बीमारी के रूप में देखा जा रहा है। जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन के अनुसार जर्मनी में 80 प्रतिशत अस्पतालों में एमआरएसए का खतरा है। इन अस्पतालों से कड़े रूप से यह कहा जा रहा है कि जो लोग साल में एक से ज्यादा बार अस्पताल में भर्ती हो रहे हों, उनकी पूरी जांच की जाए।



क्या आप जानते हैं?

क्या है डीप वैन थोमयोसिस यानी 'डी वी टी'? लम्बी दूरी की थकाऊ उड़ान की कीमत अकसर पैरों और हमारी जंघाओं को चुकानी पड़ती है।



लक्षण

लम्बी दूरी उड़ान के दौरान काल्प जैसी डीप वैनस (निचली शिराओं में) खून का थक्का बनने लगता है। साथ में बेहद का दर्द और इन्फ्लेमेशन होने लगता है। बस यही है 'डीप वैन थ्रोम-थोसिस' के लक्षण।

समाधान

डी वी टी का समाधान भी सीधा सरल है। हर एक घंटे के बाद प्लेन में एक सिरे से दूसरे तक टहलें। पैर लटकाकर बैठे मत रहिए। खूब पानी पीजिए (हाई-डर-टिड रखिये शरीर को) हो सके तो किसी भी प्रकार पैरों को एलीवेटिड रखिए। वैसे आप को बता दें कि आजकल फ्लाइट के दौरान पहने जाने वाले विशेष मौजे (सॉक्स) भी उपलब्ध हैं।

यह फ्लाइट सॉक्स खास तौर पर डिजाइन किए गए कम्प्रेसन होजरी से तैयार किये जाते हैं। ये रक्त प्रवाह को पैरों की ओर मोड़ कर दित तक ले जाते हैं। यह पैरों पर इस तरह से दबाव (प्रेशर) डालते हैं, जिससे दर्द घुटनों से पैरों के टखनों (एंकल) की ओर मुड़ जाता है।



बाल रोग विशेषज्ञ ने रीता को बताया कि रिकू की बीमारी खाने से उत्पन्न बैक्टीरिया की वजह से हुई है। इसलिए उसे रिकू की खानपान की आदतों के प्रति खास तौर पर चौकन्ना रहना होगा। डॉक्टर ने रीता को यह भी बताया कि अपने बच्चे को खाना देते वकत उसे क्या करना है और क्या नहीं।

डॉक्टर द्वारा दी गई सूची को पूरा पढ़ने के बाद लगा जैसे रीता रो पड़ेगी, क्योंकि इस सूची में ऐसा कोई काम नहीं था जो उसने न किया हो। एक शिक्षित व समझदार मां के तौर पर रीता ने बहुत अच्छी तरह अपने बच्चे की सेहत व भलाई के हरसंभव कदम उठाया था।

रीता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि रिकू वही पानी पीए जो छना व उबला हुआ हो। उसने अपने बच्चे को हमेशा ताजा बना हुआ भोजना दिया। वास्तव में रीता के पति व उसकी सहेलियां उसका यह कह कर मजाक भी उड़ाते थे कि अपने बेटे के मामले में वह कुछ ज्यादा ही हाइजीनिक है। रीता ने बहुत सोचा, लेकिन फिर भी वह उस कारण को नहीं ढूँढ पाई, जिस वजह से उसके बेटे को बार बार संक्रमण हो रहा था।

उदाहरण मात्र है

रीता तो मात्र एक ही उदाहरण है। हमारे देश में ऐसी हजारों माताएं हैं जो उस कारण को खोज रही हैं, जिसकी वजह से उनके बच्चे व परिवार के अन्य सदस्य बार बार बीमार पड़ते हैं। किंतु लगातार प्रयासों के

भी फैलाते हैं रोग

बावजूद भी वे इन संक्रामक बीमारियों को अपने घर से दूर नहीं रख पा रही हैं।

वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार

जब हम भोजन की साफ-सफाई के बारे में बात करते हैं तो बर्तनों का जिक्र शायद ही कभी आता हो। वास्तव में बर्तन भोजन संबंधी स्वच्छता का सबसे अहम हिस्सा है, क्योंकि बर्तनों में ही खाना पकाया, परोसा और ले जाया जाता है। जिन बर्तनों को ठीक से धोया नहीं जाता, उनमें ऐसे जीवाणु पनप जाते हैं, जो रोगकारक होते हैं और ऐसे बर्तनों से बीमारी फैल सकती है।

तो क्या है इसका हल?

सर्वश्रेष्ठ तरीका तो यही है कि बर्तनों को रोगाणुओं से मुक्त किया जाए। इस लक्ष्य को हासिल

हाउस वाइफ रीता आजकल बहुत चिंतित रहने लगी है। दरअसल महीने में यह तीसरी बार है की वह अपने 6 वर्षीय बेटे रिकू को स्थानीय अस्पताल में दिखाने लाई है। रिकू को बार बार दस्त हो रहे हैं। मात्र 4 दिन पहले ही रिकू को इसी अस्पताल से छुट्टी मिली थी, तब उसे उल्टी दस्त की वजह से 2 दिन के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था।

घर के बर्तन भी फैलाते हैं रोग

करने के लिए सलाह दी जाती है कि बर्तनों को धोने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री में जीवाणुनाशक एजेंट होना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि बर्तन धोने के लिए जो रासायनिक एजेंट इस्तेमाल किए जाएं वे सुरक्षित हों और उनसे किसी किस्म का नुकसान न हो। साइक्लोजैन ऐसा रोगाणुरोधी एजेंट है, जो इस उद्देश्य को पूरा करते हैं।

उद्देश्य को पूरा करते हैं साइक्लोजैन

साइक्लोजैन मानव इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है और ये बर्तनों से 85 प्रतिशत बैक्टीरिया को साफ करने में सक्षम है। ये रसायन बैक्टीरिया को धो डालते हैं और लगभग 8 घंटों तक उन्हें फिर से पनपने से भी रोकते हैं। इस वकत भारतीय बाजारों में कई ब्रांड नामों से 'डिश वॉश' फॉर्मूला उपलब्ध हैं, जिसमें साइक्लोजैन मौजूद है।

अनदेखा कर देते हैं अहम पहलू

- साफ-सफाई के सभी मानकों का पालन करने पर भी हम में से अधिकतर लोग भोजन दूषित होने के सबसे अहम पहलू को अनदेखा कर देते हैं- वे बर्तन जिनमें हम खाना पकाते, रखते और खाते हैं। आम तौर पर प्लेटें और टिफिन को सिर्फ पानी से धो लिया जाता है। हम सभी जानते हैं कि नल से आने वाला पानी रोग फैलाने वाले जीवाणुओं को लिए होता है। भले ही आप दो-तीन बार पानी को छाने या उबालें या फिर गर्मागर्म खाना बना कर परोसें; लेकिन आपकी इन कोशिशों पर पानी फिर जाएगा, अगर यह खाना-पानी ऐसे बर्तनों में परोसा जाए, जिन्हें रोगाणुओं से मुक्त नहीं किया गया है।
- गिलास, कटोरी, थाली, टिफिन आदि में मौजूद बैक्टीरिया भोजन व पानी में बड़ी तेजी से मिल जाते हैं। एक बार भोजन या पानी दूषित हो गए तो फिर वे हमेशा के लिए दूषित ही रहेंगे।



Systemic changes a must to curb fake encounters

ENCOUNTER specialists continue to pose grave problems for the police administration and operations. Recently, a notorious encounter specialist of the Mumbai Police, Pradeep Sharma, was sentenced to life imprisonment by the Bombay High Court in a 2006 case. The court also awarded a life sentence to 12 other cops, who were involved in the same case. This is exemplary punishment for trigger-happy police officers indulging in brazen illegalities.

However, the popular impression that fake encounters are the handiwork of errant cops is misleading. The hard fact to be acknowledged is that such encounters are the symptoms of a systemic malaise. At times, these encounters are staged by police officers because of the pressure exerted by their political masters and departmental bosses to show quick results by means fair or foul. The public, by and large, does not mind if cops take the law into their own hands and become executioners in the case of dreaded criminals. The police dilemma is compounded by the slow-moving criminal justice system. As trials drag on indefinitely in the courts, witnesses are easily gained over or turn hostile. Hence, the police face tremendous pressure to adopt extrajudicial methods and shortcuts. Some civil libertarians presume that extrajudicial killings stem from the 'bloodthirstiness' of the police officials. This is not always the case. The police are encouraged to do the dirty work because the criminal justice system is not functioning properly, and overhauling the system is an arduous and time-consuming job.

But the fact to be constantly borne in mind is that encounters are counterproductive and encourage contempt for the law within the police. Breaking the law in the name of law enforcement is unacceptable in a democratic society governed by the rule of law. It is unacceptable because it is arbitrary as a process and random in effect.

In its report, the National Police Commission strongly condemned fake encounters as a remedy. The need of the hour is to strengthen the law and legal processes. Unfortunately, some senior police officers, instead of resisting pressure from their political masters, bend over backwards to please them. As the DIG in charge of the Crime Investigation Department (CID) of the Odisha Police, I was berated by then Chief Minister for not knowing all the tricks of the 'police tradecraft'. Admittedly, in every police department, there are violence-prone officers who frequently indulge in a disproportionate use of force. In the US, the Christopher Commission, which looked into the misuse of force by the police after the Rodney King incident (1991) in Los Angeles, could pinpoint a few officers who were frequently crossing a red line. There should be no hesitation on the part of the police leaders to discipline and, if necessary, weed out the black sheep. Thus, for dealing with the menace of fake encounters, systemic changes are called for. The National Human Rights Commission (NHRC), on receiving complaints of fake encounters from the Andhra Pradesh civil liberties committee, held a public hearing in Hyderabad and recorded evidence. The NHRC Chairman, in a letter to the Chief Ministers, asked them to issue directions to all police stations through the Directors General of Police on procedures to be followed where deaths had occurred in encounters with the police. The commission was of the view that the right to private defence should not be manipulated to justify fake encounters. The procedure outlined by the NHRC laid down that in the case of an encounter in which the police were involved, immediate steps should be taken to investigate the facts and circumstances leading to the incident and ascertain how the offence was committed and by whom. Moreover, if officers belonging to the same police station are members of the encounter party, it would be appropriate that other police agencies, preferably the state CID, should take over the investigation of such cases. Unfortunately, these salutary instructions of the NHRC remain just on paper and are highlighted only in their breach. It is not known if the NHRC has taken firm and tangible measures to ensure that its mandatory instructions are acted upon. limited point of view of the police.

Review policies of economic growth for course correction

What India wants is development that is sustainable and has nature & humanity at its core.

INDIA aspires to become a high-income, developed country (Viksit Bharat) by 2047. In pursuance of this comprehensive vision plan, the economy needs to wield phenomenal power to ratchet up the GDP growth rate and climb the commanding heights in 23 years from the current nominal GDP of \$3.73 trillion to a whopping \$30 trillion. In practical terms, the world's fifth-largest economy should show an extraordinary incremental growth of \$1.14 trillion every year to reach the pinnacle of \$26.14 trillion in two decades. If the growth rate of 7.6 per cent is taken into consideration, the GDP rose from Rs 38.78 lakh crore to Rs 41.74 lakh crore during the past year (2023-24). The increase is just Rs 2.96 lakh crore, against the Rs 81 lakh crore needed. This is too little to attain the 'developed country' tag by 2047, and it requires more than double the GDP growth rate at 15 per cent annually. The GDPs of the US, China, Germany, Japan and India are \$26.95 trillion, \$17.78 trillion, \$4.43 trillion, \$4.23 trillion and \$3.73 trillion, respectively. Their per capita GDPs are approximately \$80,410, \$12,540, \$52,820, \$33,950 and \$2,610, respectively. India is currently in the group of lower-income countries. It needs to tread a long road to reach various stages of low income, middle income and high income in 23 years. In order to get the 'high-income country' tag, India's per capita GDP should exceed \$12,055 by 2047.

The key drivers of economic growth are the contributions of the agriculture, industrial and services sectors to the gross GDP. The services sector dominated with a share of 53.34 per cent, while the industrial and agriculture sectors contributed 28.25 per cent and 18.42 per cent, respectively, to the GDP in 2023. However, in the case of top economies of the world, such as US, China, Japan and Germany, the services and industry sectors contribute 95-98 per cent together to their GDP basket, and the dependence on agriculture is hardly 1 per cent, except 6.9 per cent in the case of China. India's GDP contribution from these two sectors is 82 per cent. One of the stumbling blocks to India's growth aspirations is the slow and sluggish growth of the agriculture and industrial sectors. Another distinctive feature of a developed economy is that it exports more goods and services than it imports. Despite the fact that India's economy is one of the fastest growing major economies in the world, its high dependence on imports is its main shortcoming. The current account deficit is as high as 2 per cent of the GDP. The US, China, Japan and Germany, on the other hand, have a current account surplus of 5-10 per cent of their GDP. The FDI inflows have fallen drastically in recent years, and the debt has increased to \$625 billion (18.61 per cent of the GDP). These macroeconomic figures clearly show that India's economy needs to improve its export performance, reduce imports, attract a high inflow of FDI to key



sectors and develop the industrial sector to realise its grand dream. India's economy continues to grow without the creation of adequate jobs for the youth, and this has aggravated income and wealth inequality. It has produced rapid degradation of natural resources and the environment in recent years. The rate of unemployment among the youth aged 20-24 years and those aged 25-29 years is 44.49 per cent and 14.33 per cent, respectively. The income and wealth share of the top 1 per cent of the population rose to 22.6 per cent and 40.1 per cent, respectively, in 2022-23. The per capita availability of water has drastically fallen to 1,486 cubic metres. Meanwhile, India overtook China to become the world's most populous country, with a population of 1.42 billion. It means 17.5 per cent of the world's population is sharing just 2.4 per cent of the land. These dynamic changes on the socio-economic and environmental fronts have limited India's growth prospects. Further, the structural transformations in terms of economic policies and labour laws have favoured corporations and financial institutions. The poor and the youth lack a level playing field in competitive job markets. India's human and environmental indices and rankings in the world are worsening. The country's agriculture and industrial sectors are globally not competitive in terms of production and productivity.

In furtherance of transforming India into a developed nation, the government has proposed a six-pronged strategy — structural transformation, improving

competitiveness, financial and social inclusion, reforms in governance, the technology-led Green Revolution 2.0 and labour market reforms. These policies are supposed to improve resource efficiency and sector-wise productivity to accelerate growth, thereby creating jobs and reducing poverty. However, India's goal raises many fundamental questions. Does the policy reflect the aspirations, ethos and values of the people of India? Are the growth of per capita income and GDP the only indicators that will make India a developed country by 2047? Is the high growth rate ecologically sustainable, given the plunder of natural resources? Does the high growth pattern distributes the income rightfully among the people? All these beg the question: development at what cost and whose cost? Many experts observe that India needs to tread a different developmental path rather than desperately following the one pursued by Western economies or by China, given India's diverse demographic, social, economic and environmental conditions. Therefore, the nation needs to realise its inherent macroeconomic strengths and weaknesses to gain the 'developed country' status by 2047. The government immediately needs to review its policies of economic growth for course correction and achieve sustainable and inclusive development. The world is desperately struggling amid the increasing incidence of climate change due to myopic and destructive economic policies. What India wants is development that is sustainable and has nature and humanity at its core.

Jointness & integration

Expedite big-ticket defence reform

THE maiden 'Parivartan Chintan', a pioneering tri-service conference held in New Delhi on Monday, is a major step towards achieving the twin goals of jointness and integration in the armed forces. Addressing the conference, Chief of Defence Staff (CDS) Gen Anil Chauhan stressed the need to develop a 'joint culture' for the forces so as to distil and imbibe the best of the three services while respecting the uniqueness of each of them. He talked about large-scale reforms aimed at enhancing the warfighting ability and interoperability of the services.

Jointness and integration are regarded as the pillars on which rests the government's initiative to make the armed forces 'future ready'. It is worrying that the rollout of theatre commands — a joint and integrated operational structure envisaging all three forces working in tandem under a common military commander — has been inordinately delayed. The main stumbling block for this big-ticket defence



reform is the apprehension of the smaller-sized Navy and

the Air Force about the potential domination of the Army in the proposed commands. A big challenge for the government and the defence top brass is to strike a balance between the formation of joint structures and the preservation of the unique identity and ethos of each service.

It is hoped that the brainstorming done at the conference will help in finalising a roadmap for seamless integration, taking into consideration the turf wars that are holding up the transition. Wedged between two hostile neighbours, India cannot afford to slacken the pace of modernisation, adaptation and collaboration. Warfare in the 21st century is mainly about maximising efficiency and minimising wastage of resources. Expeditiously building consensus on jointness and integration holds the key to early implementation of the theatisation plan. This is vital for bolstering India's combat preparedness and fortifying its borders against all kinds of military transgressions.

Northern comfort elusive for INDIA

The electorally important region presents a picture of chaos and despondency for Opposition bloc

THE Opposition's INDIA (Indian National Developmental Inclusive Alliance) bloc has reasons to feel buoyant about its prospects in the southern states in the Lok Sabha polls. In contrast to the promising scenario on the other side of the Vindhyas, where INDIA is well placed in Tamil Nadu, Telangana, Kerala and relatively so in Karnataka, the North presents a picture of chaos and despondency for the alliance. The shambolic state of affairs derives in large part from the flaws inherent in every Opposition grouping against a near-hegemonic ruling force (till 1989, it was the Congress, and now it is the BJP), arising largely from ego clashes and a marked reluctance of the self-styled 'stronger' entities to share power equitably with their comrades, and the BJP's smash-and-grab approach towards razing a level playing field. The BJP's predatory tactics have caused major depletions in the critical mass INDIA required to put up a respectable challenge. The Congress — which remains the Opposition's only pan-India party — has suffered the highest casualties. Several high-profile leaders have switched sides, enhancing the impression that an enfeebled Congress' innards have been hollowed out and it is, therefore, in no position to credibly confront the BJP and the NDA.

Jammu and Kashmir contributes only five seats to the Lower House of Parliament, but even in its truncated version as a union territory (the Kashmir valley has three seats and Jammu two), its symbolic significance stands undiminished for the BJP and INDIA. A recent development classically illustrates INDIA's inability to unify the Opposition, which includes the National Conference (NC), led by the Abdullahs, and the People's Democratic Party (PDP), headed by Mehbooba Mufti. Notwithstanding the earlier averments of an alliance, the NC and the PDP decided to fight each other in the Valley and have fielded their own candidates. The Congress failed to cement the grouping. Either the Congress lacked the political and moral authority to broker peace between the Abdullahs and Mehbooba Mufti or the party thought it more 'prudent' to go with the former.



However, it is useful to recall that a splintered Opposition could give the BJP the opening it sorely needs in the Valley. Moreover, the NC and the PDP have partnered with the BJP in the past after shedding their supposed aversions to its ideology. Cut to Uttar Pradesh and its bountiful 80 seats, much of which were netted by the BJP in 2014 and 2019. The Lucknow bazaar buzz has it that there's no jaan (life) left in INDIA after successive routs. The Samajwadi Party (SP) is the fulcrum of the alliance by a mile, but the prelude to the elections has been marked by bumps. The SP has fumbled in candidates' selection (it wasn't as though it was spoilt for choice); it has the shell of a party, namely the Congress, for an ally after losing weightier partners such as the Rashtriya Lok Dal and the Suheldev Bharatiya Samaj Party to the BJP, which nimbly put together a seat-sharing arrangement to the apparent satisfaction of the

NDA's constituents. The SP chief, Akhilesh Yadav, was discernibly defensive about countering the BJP's blatantly divisive agenda, as revealed in PM Narendra Modi's speech last week at Ghaziabad. Muslims have always constituted a strong vote bank of the SP and the projected outcome of the alliance with the Congress is the consolidation of minority votes. Yadav's unwillingness to affirm a public stand on minority-related issues did not go down well with Muslim opinion-makers, clerics and minority members of the SP. His party's members periodically spoke up against it. The recent death of Mukhtar Ansari, a convicted criminal and politician with a strong base in eastern UP because of his Robin Hood image, drew massive crowds at his funeral, crowds that were undeterred by massive police deployment. The episode prompted Yadav to call on his family, especially since the SP has nominated Mukhtar's

brother Afzal from the Ghazipur Lok Sabha constituency in Purvanchal. Afzal Ansari had won the seat in 2004 as well as in 2019. On the other hand, the BJP has left no stone unturned in its marquee state as it is determined to recompense the NDA for the loss of nine seats — from 71 in 2014 to 62 in 2019 — and perhaps win more. Modi has hit the ground running with a roadshow in Ghaziabad-Meerut; the BJP's tieups are in place and it has declared over 50 candidates. The Congress, crippled by a weak organisational setup and bereft of charismatic regional leaders, is still expecting the Gandhis to contest from the family boroughs of Amethi and Rae Bareilly in Awadh. Should the family back off — especially in view of Rahul Gandhi's Amethi defeat in 2019 — the UP rank and file fears that the Congress might draw a blank.

Where does INDIA's salvation lie in the North? In Haryana, the BJP seems to have wilingly forfeited its ally, the Jannayak Janta Party (JJP), and the Jat votes it brought to the table. But the Congress doesn't look like the gainer it is notionally projected to be. The break-up only signifies that the JJP would split the votes of a dominant community, depriving the Congress of the cutting edge it might enjoy under Bhupinder Singh Hooda's stewardship. What about Delhi? Arvind Kejriwal is undeniably INDIA's protagonist after his arrest. The AAP has gone on the front foot, unfazed by the fact that many senior leaders, including the CM himself, are in jail. Its campaign pivots around Kejriwal and his government's flagship programmes, but is that enough of a counter against the BJP's all-too-powerful leader and a well-defined campaign replete with exaggerated claims about the Centre's 'achievements' and hard work on the ground? The centrality of Kejriwal, Hemant Soren (also incarcerated) and Tejashwi Yadav shows that willy-nilly, the Congress is forced to play second fiddle to north India's regional strapons. On the other hand, its direct faceoffs with the BJP in states such as MP, Rajasthan, Himachal Pradesh, Haryana and Chhattisgarh will be the ultimate test of its ability to reassert its political leadership.

Will Your Salary Rise After Appraisal? Review Season Fuels Astrology Career Advice

New Delhi. As April marks the onset of the annual appraisal season in many Indian companies, employees across the nation are eagerly anticipating salary hikes, promotions, and career growth opportunities. In this crucial time of professional evaluation, individuals often turn to astrology and other forms of divination for insights into their career prospects. A recent analysis conducted by Astroyogi, the digital astrology platform, sheds light on the prevalent career-related inquiries during this period. According to Astroyogi, statistics reveal a remarkable surge in career-related consultations in March and April, recording a 50-60% increase compared to other times of the year. Among the industries seeking the most guidance during appraisal season, the IT and corporate sectors take centre stage, reflecting the aspirations and ambitions of the country's workforce. Geographically, major metropolitan hubs such as Bengaluru, Delhi, Mumbai, and Hyderabad emerge as hotspots for career-related consultations during the appraisal season. With Bengaluru leading the pack at 60%, closely followed by Delhi at 50%, and Mumbai and Hyderabad at 40% each, these cities showcase the heightened focus individuals place on their career trajectories during this period. Despite the evolving landscape of career aspirations, Astroyogi notes a consistent pattern in the types of questions asked compared to previous years.

Musk to meet Modi; Tesla's India plan soon

NEW DELHI. The long-pending announcement of Tesla's entry into the Indian market may take this month as its billionaire CEO Elon Musk will visit India soon to meet Prime Minister Narendra Modi. "Looking forward to meeting with Prime Minister @NarendraModi in India!" Musk tweeted on Wednesday. It is said that during or after the meeting, Musk will announce his plans to invest and open a new factory in the country. As per Reuters, Musk will meet PM Modi on April 22 in New Delhi, and will separately announce his India plans. The report cited that Musk's final India trip agenda could still change. An announcement by Musk to set up a base in the country will boost PM Modi's make-in-India initiative ahead of the crucial general election of 2024. As per industry sources, Tesla could send a team this month to search for locations for a proposed \$2-\$3 billion electric car plant. The team is said to be in talks with the state governments in Gujarat, Maharashtra, UP and Telangana for the proposed investment. The electric carmaker has already begun production of right-hand drive cars in its Germany plant to test the Indian market after the government last month slashed import duty on EVs for manufacturers who are willing to invest here. Musk in a recent conversation with Nicolai Tangen, CEO of Norges Bank Investment Management, confirmed Tesla's entry into India. "India is now the most populous country in the world. India should have electric cars just like every other country. It's a natural progression to provide Tesla electric vehicles in India," he said in a Spaces session on X. This is not the first time Tesla has shown interest in investing in India. Market experts believe revised norms for imported EVs, what Tesla was lobbying for, make a compelling case for them to start making e-cars in India. Tesla has reportedly told Indian government officials that it is considering building a smaller car here, which would be priced less than \$30,000. It can sell the model here and export to Southeast Asia, the Gulf, Africa, and southern and eastern Europe. In a bid to attract Tesla and other global automakers to start making EVs in India, the Centre on March 15 made big changes in its EV policy. It has allowed import of completely built-up (CBU) EVs that have a minimum cost, insurance and freight (CIF) value of \$35,000 at 15% import duty for a period of 5 years.

What Are SBI Salary Package Accounts? Know Types & Which One Is For Your Need

NEW DELHI. Banks strategically design features for salary accounts to entice and maintain customers, with a focus on the employed demographic. By customising accounts to suit the requirements of salaried individuals, banks strive to foster enduring connections and reap various advantages. The SBI Salary Package account exemplifies this tailored banking service, provided by the State Bank of India (SBI), a prominent public sector bank in India.

Salary Package Account SBI

The SBI Salary Package account is crafted to meet the banking requirements of employed individuals, offering a plethora of advantages and functionalities that streamline financial management for them. It's crucial to acknowledge that the precise attributes and advantages of the SBI Salary Package account may differ depending on the package and the bank's terms



and conditions. If you're considering opening an SBI Salary Package account, it's advisable to visit the official SBI website or reach out to the bank directly for the latest details on the account features and eligibility requirements. According to the information available on the official website of SBI, here are some key features typically associated with the SBI Salary Package account:

What is a SBI Salary Package Account?

The Salary Package account is an exclusive savings option tailored for employed individuals, delivering distinctive perks and services along with effortless access to net banking and mobile banking facilities.

Vistara CEO says 'worst is behind us'; operations have stabilised

NEW DELHI: After facing significant flight disruptions recently, Vistara CEO Vinod Kannan on Thursday told the airline staff that the "worst is behind us" and operations have already stabilised. Pilot woes have forced the Tata Group airline to temporarily cut down capacity by 10 per cent or 25-30 flights daily. While acknowledging that things should have been planned better, Kannan said it has been a "learning experience". He also said it has been a challenging start to the new financial year and the airline faced significant operational disruption from March 31 to April 2. "The anxiety and frustration felt by our customers was matched in even measure to the pain that all of us felt in seeing our much-loved brand drawing negative commentary from various quarters. I assure you that the worst is behind us, and we have already stabilised our operations, with our on-time performance (OTP) increasing to 89 per cent on 9 April 2024 (second highest among all Indian airlines)," he said in a message to the staff. The full-service carrier has around 6,500 people, including



about 1,000 pilots. In the wake of the disruptions, the top management of the airline had held a virtual meeting with the pilots. One of the reasons for the disruptions was also that some section of pilots reporting sick to protest against the new contract that will result in pay revision. According to Kannan, there were a multitude of reasons for the disruptions, including ATC delays, bird hits, and maintenance activities early last month. "We were stretched in our pilot

rosters and there was not enough resilience to withstand injects that we would otherwise have weathered. We could and should have planned better, and this has been a learning experience for us which we will review thoroughly," the Vistara chief said. Most of the cancellations were in the domestic network and the carrier is working on plans for May and beyond. "While the events of the last week may seem like a setback, the hallmark of our organisation has always been that we

have bounced back from tough situations' and emerged stronger. "I trust each of you to continue to put in all efforts to ensure that we do not let our brand, and our customer, down," Kannan said. As we emerge from this difficult phase, he said it is this commitment to being a customer-oriented airline that will help it bounce back stronger. The airline has also reached out to customers impacted by the cancellations and delays over the affected period. "We have provided the necessary compensation as per the regulatory mandate, and have also offered additional service recovery vouchers for passengers whose flights were significantly delayed," the Vistara chief said. The carrier has 70 aircraft in its fleet and is to operate more than 300 flights daily in the ongoing summer schedule. "Dealing with disappointed customers is never easy but amidst all the chaos, we have received feedback on how some of you went beyond the call of duty to assist our customers to the extent possible," Kannan said and expressed gratitude to the pilots for cooperating and stepping

ADB raises India's GDP growth forecast for FY25 to 7 per cent on robust investment, consumer demand

NEW DELHI: The Asian Development Bank (ADB) on Thursday raised India's GDP growth forecast for the current fiscal to 7 per cent from 6.7 per cent earlier, saying the robust growth will be driven by public and private sector investment demand and gradual improvement in consumer demand.

The 2024-25 growth estimate is, however, lower than 7.6 per cent projected for the 2022-23 fiscal. Strong investment drove GDP growth in the 2022-23 fiscal as consumption was muted, the ADB said.

The ADB had in December last year projected the Indian economy to expand 6.7 per cent in the 2024-25 fiscal. "The economy grew robustly in fiscal 2023 with strong momentum in manufacturing and services. It will continue to grow rapidly over the forecast horizon. Growth will be driven primarily by robust investment demand and improving consumption demand. Inflation will continue its downward trend in tandem with global trends," said the April edition of the Asian Development Outlook released on Friday.

Growth will be robust despite moderating in FY2024 and FY2025, it said. For the 2025-26 fiscal, the ADB has projected India's growth at 7.2 per cent. The ADB



said exports are likely to be relatively muted this fiscal as growth in major advanced economies slows down but will improve in FY2025.

"Monetary policy is expected to remain supportive of growth as inflation abates, while fiscal policy aims for consolidation but retains support for capital investment. On balance, growth is forecast to slow to seven per cent in FY2024 but improve to 7.2 per cent in FY2025," it said. "To boost exports in

the medium term, India needs greater integration into global value chains," the ADB added. The ADB's growth forecast for FY25 is in line with the projections made by the Reserve Bank of India (RBI).

The RBI last week had said GDP growth in the current fiscal is projected at seven per cent on expectations of normal monsoon, moderating inflationary pressures and sustained momentum in manufacturing and services sectors.

CBDT interim action plan to expedite tax cases

NEW DELHI: The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has unveiled an interim action plan for the fiscal year 2024-25, outlining crucial areas for achieving key results within set timeframes. The plan focuses on prompt grievance redressal by addressing e-Nivaran and Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAM) concerns, alongside expediting refund approvals. It mandates resolution of at least 50% of major and 75% of minor internal and revenue audit objections received by December 31, 2023, and addressing 50% of objections from audits initiated on April 1, 2024, by June 30, 2024. All cases with seized assets awaiting release must be identified and released

by June. Potential prosecution cases resulting from surveys or previous proceedings up to FY24 need to be identified by June 30, 2024. The plan requires swift disposal of pending applications as of April 1, 2023, and new applications for Nil/lower TDS or TCS certificates under Sections 195/197/206C within a month.

The immediate action items to be completed by April 30, 2024, entail two critical steps involving release of refunds that were put on hold as per section 241A of the Income Tax Act. These refunds are typically withheld until completion of scrutiny assessments and the necessary orders have been passed. Once scrutiny assessments are finalised and orders

issued, these pending refunds need approval for disbursement. The second step is approval by junior accounts officer (JAO)/range head of pending refunds related to ITBA e>Returns. This action requires approval of pending refunds for all Assessment years associated with Income Tax Business Application (ITBA) electronic returns. These refunds, pending approval, need to be processed and cleared by the designated authorities like JAO or range head within specified timeframe. Sandeep Sehgal, Partner- Tax, AKM Global, a tax and consulting firm, states, "Taxpayers are now required to file applications before assessing officer for pending refunds pertaining to their respective assessments.

Brent crude may hit 100/barrel this year if OPEC+ continues output cut

Due to various geopolitical issues, the Brent crude price is touching a new high, and it is trading at \$89.93 a barrel at 19.05 PM IST.

NEW DELHI. The crude price in the international market could hit \$100 a barrel this year if OPEC+ (the Organization of Petroleum Exporting Countries) continues with its production cut, said Russell Hardy, chief executive of the world's largest energy trader, Vitol. Russell, speaking at the FT Commodities Global Summit in Switzerland's Lausanne, also mentioned



that Vitol is expecting global growth of 1.9 million barrels a day this year, similar to 2023, with China, India, and jet fuel from increased air travel continuing to underpin growth. "It's really a supply-constrained market, but we've averaged about \$83/b so far this year, so \$80 to \$100/b feels like a sensible range for the

market given OPEC's control of inventories around the world," said Hardy. Due to various geopolitical issues, the Brent crude price is touching a new high, and today it is trading at \$89.93 a barrel at 19.05 PM IST. It went above \$91 per barrel on April 8, 2024, for the first time since October 2023, an increase

of almost 20% since the start of the year. The ongoing tensions between Israel and Iran over the OPEC producer's support for Hamas and recent attacks by Ukraine on Russian oil property can further increase the crude price in the international market. The voluntary production cut of 5 million barrels per day of crude announced by OPEC+ will further aggravate the situation. "Predictions that oil prices will hit \$100/b this year have been growing of late, fueled by escalating tensions between Israel and Iran over the OPEC producer's support for Hamas in Gaza and stronger-than-expected demand data," said at S&P Global in a report. The situation is further aggravated by OPEC+'s voluntary production cut of 5 million barrels per day, announced in October 2022. Analysts at S&P Global believe the recent extension of these cuts, particularly by the "OPEC+ Six" (Iraq, the United Arab Emirates, Kuwait, Algeria, Kazakhstan, and Oman), combined with potential damage from Ukrainian attacks, increases the risk of even higher oil prices.

Apple assembles 14% of iPhones in India during FY24

NEW DELHI. In a significant development for the domestic mobile manufacturing sector, US tech giant Apple reportedly assembled \$14 billion worth iPhones in India during financial year 2023-2024. This constitutes 14% of Apple's global iPhone production, meaning one in seven of its devices are now manufactured in the country. The move reflects Apple's strategy to diversify its production base away from China due to geopolitical tensions between the US and the world's second largest economy. Last year, commerce minister Piyush Goyal mentioned that Apple would start 25% of the total iPhone production in India by 2025. The company began manufacturing iPhones in India in 2017 and has since scaled up production. Currently, Apple is assembling iPhones ranging from the legacy 12 to its latest iPhone 15 in the country, but not the higher-spec Pro and Pro Max models. In India, the iPhone is manufactured by three contract manufacturers: Foxconn, Pegatron Corp., and Tata Group (formerly Wistron Corp.). According to the report, Foxconn is the biggest manufacturer



as it assembles nearly 67%, while Pegatron Corp. makes about 17% of the India-made iPhones. The surge in production also means that Apple will increase exports from India. According to the Indian Cellular and Electronics Association, India's mobile phone exports are expected to cross 1.2 lakh crore at the end of this financial year, led by Apple and Samsung. Now, mobile phones have become India's fifth-largest export as an individual commodity. Last year, India's conglomerate Tata Group acquired Taiwan's Wistron plant in Karnataka. The company is also in talks to take control of another iPhone manufacturing facility owned by Pegatron in the country. Tata plans to hold at least a 65% stake in a joint venture that will operate the Pegatron plant near Chennai. Tata, one of the largest conglomerates in India, will operate the joint venture through its Tata Electronics unit.

China-wary India sends defence attaches to African, Asian nations in a first

India will post defence attaches in several African countries, including Ethiopia, Ivory Coast, Mozambique, and strategically important Djibouti.

New Delhi. In a first, India will post defence attaches in several countries, with a focus on Africa, aimed at strengthening strategic ties and military diplomacy amid China's increasing efforts to expand its influence in the African nations.

Djibouti, which holds maritime significance owing to being surrounded by the Red Sea and the Gulf of Aden. Many African countries have already expressed keen interest in obtaining Indian military platforms, equipment, and hardware, the PTI report added.

INDIA'S GROWING THIS WITH AFRICA Over the past few years, India has established itself at the forefront, flagging concerns, challenges and aspirations of the Global South or the developing nations, especially the African continent.



presidency of the grouping of the 20 big economies of the world last year. Last month, External Affairs Minister S Jaishankar said that countries of the Global South feel for each other on several issues.

skipping those. "On a lot of issues, these countries feel for each other. The feeling has been intensified by Covid because many countries of the Global South felt that they were the last in the line to get the vaccine.

He further stated that the Global South doesn't consider it to be a "coincidence" that "it was under the Indian presidency that the African Union, which had long been promised a seat in the G20, got a seat".

BOLSTERING TIES WITH PHILIPPINES, POLAND, ARMENIA India is also looking at further expanding defence ties with the Philippines against the increasing global concerns over China's increasing military assertiveness in the South China Sea.

Inside Chief Justice DY Chandrachud's Chamber In Supreme Court

New Delhi. Chief Justice of India DY Chandrachud is mostly seen seated in the courtroom during the live streaming of important cases, but the chamber from where India's top judge runs the day-to-day court affairs remains behind the screens.

Chief Justice Chandrachud, who advocates paperless and digital courts, has also set an example with his chamber. In the middle of the computers and telephones in his office, one wouldn't find files piled up.

The Chief Justice's desktop, kept in one corner of his desk, is one of the several gadgets at the centre of processing crucial cases. He replies to his emails and examines case files himself. Even instructions are issued via the laptop.

From Covid Cure Claim To An Anonymous Letter: How Patanjali Case Unfolded

New Delhi. "What about all the faceless people who have consumed these Patanjali medicines stated to cure diseases which cannot be cured?" These were the Supreme Court's strong remarks in its brutal takedown of Uttarakhand authorities for inaction against Haridwar-based Patanjali Ayurved, founded by Yoga guru Ramdev and his aide Balkrishna.

The court's remarks, which included a "post office" metaphor for state authorities and a "will rip you apart" warning, came as the bench of Justice Hima Kohli and Justice A Amanullah rejected apologies by Ramdev and Balkrishna and said it will pass an order on April 16.

In February 2021, just before the Covid's Delta wave struck, Ramdev launched Patanjali's Coronil, which he described as the "first evidence-based medicine for COVID-19". The launch was attended by then Union Health Minister Harsh Vardhan, also a doctor. The poster at the event claimed that Coronil holds a certificate of pharmaceutical product and is recognised by the WHO's Good Manufacturing Practices.

The IMA responded by sending a legal notice to Ramdev and seeking an apology and withdrawal of statements. It put out a statement, appealing to then Health Minister Dr Harsh Vardhan to charge against the Yoga guru under the Epidemic Diseases Act.

What Were Authorities Doing According to a BBC report, Patanjali in December 2020 urged state authorities to change Coronil's licence from an "immunity booster" to one for "medicine for Covid-19".

Anti-corruption body upholds action on National Herald's Rs 752 crore assets

New Delhi. The Adjudicating Authority under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), after extensive hearings, has upheld the provisional attachment order of assets of Rs 751.9 crore in connection with a high-profile money laundering case involving Associated Journal Limited (AJL) and Young India (YI).

unearthed a complex web of financial irregularities allegedly involving AJL and YI.

According to the findings, Associated Journals Ltd. (AJL) was found to be in possession of proceeds of crime amounting to Rs 661.69 crore in the form of immovable properties across several cities in the country, including Delhi, Mumbai, and Lucknow.

The ED's probe was initiated based on a court order issued by the Court of Metropolitan Magistrate in Delhi, following a private complaint lodged on June 26, 2014.

Young India, prima facie committed various offences including criminal breach of trust, cheating, misappropriation of property, and criminal conspiracy. It was revealed during the investigation that the accused orchestrated a criminal conspiracy to acquire valuable properties of AJL, originally earmarked for newspaper publishing purposes.

"Unwarranted, Misleading": Centre On Congress Allegation On Sainik Schools

New Delhi. Congress chief Mallikarjun Kharge has written to President of India Droupadi Murmu, demanding a rollback of the Centre's move to "privatise" Sainik schools, calling it a "blatant attempt to politicise them".

ministry said. In his two-page letter, Mr Kharge said, "Indian Democracy has conventionally kept our Armed Forces away from any partisan politics."

"It is not surprising that the union government has broken this well enshrined convention... they have dealt a body blow to the very nature and ethos of the Armed Forces. Imparting ideologically slanted knowledge in such institutions shall not only destroy inclusiveness but also damage the national character of the Sainik Schools, by influencing their character through partisan religious/corporate/family/social/cultural credos."

Kharge wrote. "Out of the 40 MoUs that have been signed, 62% have been signed with individuals & organizations belonging to the RSS-BJP-Sangh Parivar. This includes a Chief Minister's family, several MLAs, BJP office-bearers and RSS leaders," the letter read.

Early Monsoon with more rain likely as La Nina set to return

Experts predict that this year's Monsoon could potentially arrive earlier than usual, driven by the simultaneous activation of the Indian Ocean Dipole (IOD) and La Nina conditions.



New Delhi. The Indian Meteorological Department (IMD) is poised to unveil its much-anticipated long range forecast for the Monsoon season. Experts predict that this year's Monsoon could potentially arrive earlier than usual, driven by the simultaneous activation of the Indian Ocean Dipole (IOD) and La Nina conditions.

These concurrent events are laying the groundwork for a robust monsoon with potentially high volumes of rainfall across several parts of the country.

cooler-than-average sea surface temperatures in the Central and Eastern Pacific Ocean, and the Indian Ocean Dipole (IOD), a fluctuation of sea-surface temperatures in the Indian Ocean, is a unique meteorological occurrence.

rich trove of data to refine dynamical models and conduct advanced rainfall-statistical analysis. Most weather models suggest a positive IOD phase over the Equatorial Indian Ocean coinciding with the formation of La Nina in the Pacific.

typically experienced from July to September. During this period, monsoon lows, or depressions, are expected to follow an extended and steady trajectory towards West-Northwestern India and the North Arabian Sea. This suggests an increase in rainfall in these areas, chiefly caused by monsoon lows during the height of the monsoon season.

NEWS BOX

North Korea's Kim Jong Un says 'Now is the time to be ready for war'

Seoul. North Korean leader Kim Jong Un said unstable geopolitical situations surrounding his country mean now is the time to be more prepared for war than ever, as he inspected the country's main military university, KCNA news agency said on Thursday. Kim gave field guidance on Wednesday at Kim Jong Il University of Military and Politics, named after his father who died in 2011, which KCNA said is the "highest seat of military education" in the country. North Korea has stepped up weapons development in recent years under Kim and has forged closer military and political ties with Russia, allegedly aiding Moscow in its war with Ukraine in return for help with strategic military projects.

Affirming that if the enemy opts for military confrontation with the DPRK, the DPRK will deal a death-blow to the enemy without hesitation by mobilising all means in its possession," KCNA quoted Kim as telling the university staff and students. DPRK is short for the Democratic People's Republic of Korea, the North's official name. "Outlining the complicated international situation ... and the uncertain and unstable military and political situation around the DPRK, he said that now is the time to be more thoroughly prepared for a war than ever before," KCNA said. Earlier this month, Kim supervised the test launch of a new hypersonic intermediate-range ballistic missile using solid fuel, which analysts said would bolster the North's ability to deploy missiles more effectively than liquid-fuel variants. North Korea has accused the United States and South Korea of provoking military tensions by conducting what it called "war maneuvers" as the allies have conducted military drills with greater intensity and scale in recent months.

Elections Decided By Citizens": Canada PM Denies Foreign Meddling Claims

Ottawa. Prime Minister Justin Trudeau on Wednesday insisted that Canada's last two elections were indeed "decided by Canadians," as he pushed back against criticism that his government had not done enough to thwart foreign interference. Trudeau testified for hours before an independent commission probing allegations China and others sought to meddle in Canada's democratic process -- as well as Ottawa's response. "Those elections held in their integrity, (they) were decided by Canadians," Trudeau testified about the 2019 and 2021 votes, both won by his Liberal Party. Ministers, intelligence officials and senior Trudeau aides also testified at the hearings, which were organized to try to shed light on a political scandal that has shaken Canada for more than a year. The opposition Conservatives have accused Ottawa of turning a blind eye to supposed interference, particularly by China. Beijing has rejected allegations of meddling. An intelligence report submitted to the commission described China's activities as "sophisticated, pervasive, persistent and directed against all levels of government and civil society across the country." Trudeau and several of his ministers who appeared at the inquiry however downplayed the intelligence, saying it was often not conclusive. The prime minister pointed to an example of a foreign diplomat caught boasting to superiors that they had successfully swayed a Canadian election outcome, saying: "Bragging is not doing." In another example, he said he was presented with insufficient evidence to overturn the nomination of a candidate accused of being in the pocket of Beijing. During three and a half hours of testimony, Trudeau said countering foreign disinformation in elections "was not on the radar at all" when he came to power in 2015.

3 Sons, 4 Grandchildren Of Top Hamas Leader Ismail Haniyeh Killed In Israeli Airstrike In Gaza

Gaza. The Israel Defense Forces (IDF) have announced the deaths of three sons of Hamas political figure Ismail Haniyeh in an airstrike conducted by the Israeli Air Force. The strike, which occurred on Wednesday, resulted in the loss of Amir Haniyeh, a noted cell commander within the Hamas military wing, and his brothers Mohammad and Hazem Haniyeh, both recognized as military operatives. "IAF aircraft struck Amir Haniyeh, a cell commander in the Hamas military wing, and Mohammad and Hazem Haniyeh, both Hamas military operatives, in central Gaza today. The IDF confirms that the 3 operatives are the sons of Ismail Haniyeh, the chairman of Hamas' political bureau," IDF posted on its official X handle.

As per Al Jazeera, the tragedy extended beyond Ismail Haniyeh's immediate family, claiming the lives of four of his grandchildren during the same strike on the Shati refugee camp. The news has sent shockwaves through the region, particularly as it coincided with the first day of Eid al-Fitr, a time traditionally marked by celebration and family gatherings. "Through the blood of the martyrs and the pain of the injured, we create hope, we create the future, we create independence and freedom for our people and our nation," Haniyeh said, adding that around 60 members of his family, including nieces and nephews, have been killed since the start of the war. The Hamas political leader, who is based in the Gulf state of Qatar, decried what he described as Israel's brutality in Gaza and stressed that Palestinian leaders will not back down if their families and homes are targeted, Al Jazeera reported.

There is no doubt that this criminal enemy is driven by the spirit of revenge and the spirit of murder and bloodshed, and it does not observe any standards or laws," Haniyeh said. "We've seen it violate everything on the land of Gaza. There is a war of ethnic cleansing and genocide. There is mass displacement," he added

'No force can separate us', China's Xi Jinping tells Taiwan leader

Beijing. Chinese President Xi Jinping told former Taiwan President Ma Ying-jeou on Wednesday that outside interference could not stop the "family reunion" between the two sides of the Taiwan Strait, and that there are no issues that cannot be discussed. Since the defeated Republic of China government fled to Taiwan in 1949 after losing a civil war to Mao Zedong's communists, no serving Taiwanese leader has visited China. Ma, president from 2008 to 2016, last year became the first former Taiwanese leader to visit China, and is now on his second trip to the country, at a time of simmering military tension across the strait.

Ma had been widely expected to meet Xi this time around, having first met Xi in Singapore in late 2015 for a landmark summit shortly before the current Taiwan president, Tsai Ing-wen, won election. Meeting Ma in Beijing's Great Hall of the People, where foreign leaders normally hold talks with top Chinese officials, Xi said that people on both sides of the strait are Chinese.

"External interference cannot stop the historical trend of reunion of the country and family," Xi said, in comments reported by Taiwanese media. Xi did not elaborate but in Chinese terminology referring to external interference over Taiwan is generally aimed at the support Taipei gets from Western countries like the United States, especially arms sales which infuriate Beijing. People on both sides of the strait are Chinese, Xi said.

"There is no rancour that cannot be resolved, no problem that cannot be discussed, and no force that can separate us." China has never renounced the use of force to bring democratically-governed Taiwan under its control, and has ramped up military and political pressure to assert its sovereignty claims. Ma told Xi that tensions have caused unease for many Taiwanese. "If there is a war between the two sides, it will be unbearable for the Chinese people," Ma said, using a term that refers to people who are ethnically Chinese rather than their



nationality. "Chinese on both sides of the strait absolutely have enough wisdom to handle all disputes peacefully and avoid heading into conflict." Responding to the meeting, Taiwan's China-policy making Mainland Affairs Council said it deeply regretted that Ma did not publicly convey Taiwan's people's insistence on defending the sovereignty and democratic system of the Republic of China, which remains Taiwan's formal name. Beijing should stop intimidating Taiwan and resolve its differences with Taipei through respectful, rational dialogue, it added.

MR MAYING-JEOU"

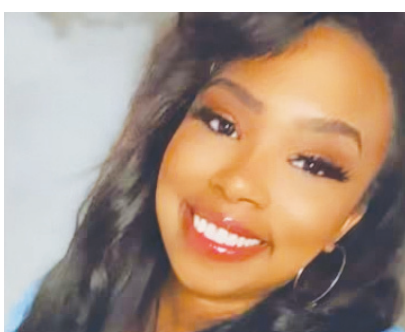
Xi called Ma "Mr Ma Ying-jeou" rather than former president, given neither the Chinese nor Taiwanese governments formally recognise the other. Ma called Xi by title as head of the Communist Party - general secretary.

Tsai and her government reject China's territorial claims, saying only the island's people can decide their future. China says it will only talk to Tsai if she accepts that both sides of the strait are part of "one China", which she has refused to do.

Xi has only rarely made public remarks about Taiwan in recent months. Speaking to US President Joe Biden in early April, Xi urged Washington to translate "Biden's commitment of not supporting 'Taiwan independence'" into concrete actions. has also not commented publicly on Taiwan's January presidential election, won by current Vice President Lai Ching-te, viewed by Beijing as a dangerous separatist and who takes office on May 20.

'Upset' over eclipse, astrology influencer stabs partner, throws kids out of car

Los Angeles. A woman who authorities say fatally stabbed her partner at their Los Angeles flat Monday then threw her two children from a moving SUV onto the highway, killing her infant daughter, was an astrologer who called the impending solar eclipse "the epitome of spiritual warfare" in an online post days earlier. Los Angeles police believe Danielle Cherakayah Johnson, 34, posted on X as an astrology influencer and recording artist with the moniker "Ayoka," in the days leading up to the violence, which began hours before the eclipse peaked in Southern California, said Lt. Guy Golan. While detectives have reviewed Johnson's posts, police are not considering the eclipse to be a precipitating or contributing factor to the slayings "because we just don't know why she did what she did," Golan told The Associated Press on Wednesday. "We've taken all the facts we can, but without being able to interview her and without having something more tangible than a post on X, I don't know how much weight you can give to somebody (saying) there's an apocalypse and attribute it to one of the most horrific murders we've had in



LA," Golan, who is head of the homicide unit investigating the case, said. Authorities say Johnson and her partner, 29-year-old Jaelyn Allen Chaney, had an argument around 3:40 a.m. Monday in their apartment in Woodland Hills, about 25 miles (42 km) northwest of downtown Los Angeles. Johnson stabbed Chaney and fled with her kids, an 8-month-old girl and her 9-year-old sister, in a Porsche Cayenne. Johnson then drove along Interstate 405 in Culver City and threw her daughters out of the moving SUV around 4:30 a.m., police said. The baby was pronounced dead on the road, but the older daughter — who

witnessed the stabbing — survived with moderate injuries. Johnson travelled southwest to Redondo Beach, where a half-hour later she was driving over 100 miles per hour (160 kph) and crashed into a tree. The LAPD is investigating whether the solo crash was an apparent suicide. The Los Angeles Times first reported on Johnson's social media activities in connection with the killings. "Get your protection on and your heart in the right place," she posted April 4 to more than 105,000 followers on X. "The world is very obviously changing right now and if you ever needed to pick a side, the time to do right in your life is now. Stay strong you got this." On April 5, she posted in all caps, "Wake up wake up the apocalypse is here. Everyone who has ears listen. Your time to choose what you believe is now." Her social media also included a mix of antisemitic screeds, conspiracy theories about vaccines and warnings about the end of the world alongside astrological predictions and positive affirmations. Also on April 5, she posted the word "LOVE" dozens of times.

Biden "Considering" Dropping Charges On WikiLeaks Founder Julian Assange

Washington. US President Joe Biden said Wednesday he was "considering" a request by Australia to drop the prosecution of WikiLeaks founder Julian Assange on espionage charges. Australia's parliament passed a motion in February with the prime minister's support calling for an end to the legal saga surrounding Assange, who has been held in Britain since 2019 while fighting extradition to the United States. "We're considering it," Biden replied at the White House when asked by a reporter if he had a response to Australia's request. Biden, who took the question while walking with visiting Japanese Prime Minister Fumio Kishida to a meeting in the Oval Office, did not elaborate. Australian citizen Assange, 52, has been indicted by the US government over his role in the 2010 leaking of a huge trove of classified documents related to the

wars in Iraq and Afghanistan. If convicted, he faces jail terms of up to 175 years. In response to Biden's comments, Assange's wife Stella said on social platform X: "Do the right thing. Drop the charges." She has previously said Assange's physical and mental health are in decline in jail and that her husband "will die" if sent to the United States. Assange and his supporters say he exposed US military wrongdoing and see his case as a fight for media freedom. Washington says his leaks put lives at risk by publishing documents that included the names of intelligence sources. Assange is currently waiting to learn if he can make a last-ditch appeal against extradition, after a British court last month delayed a decision on his case. It is now expected May 20. In late March, the High Court in London gave the United States three weeks to

provide further "assurances" on his treatment if he is sent there to face charges. WikiLeaks editor-in-chief Kristinn Hrafnsson on Wednesday called for "a political solution" to Assange's plight, as supporters rallied in central London on the eve of the fifth anniversary of his arrest. "This is a case that just should never have started in the first place," Hrafnsson told AFP at the rally. He said Assange's time in the high-security Belmarsh Prison in southeast London was "so excessive and so brutal." Hrafnsson said Canberra should link the case to its landmark AUKUS security pact with Washington and London to secure Assange's release. "They should be bold and say we have nothing to discuss unless you drop the charges against Julian Assange so he can walk free and come back to Australia," he said.

'Should have their head examined': Trump's dig on Jewish voters who back Biden

Atlanta. Donald Trump on Wednesday lashed out at Jewish voters who backed President Joe Biden and framed this year's election as a referendum on the strength of Christianity in the US, part of his sharp-edged continuing appeal to evangelical conservatives who are a critical element of his political base. Speaking in Atlanta ahead of a fundraiser, the presumptive Republican nominee renewed his running criticism of Biden's reaction to the Israel-Hamas war and the administration's support for the rights of LGBTQ Americans, including transgender persons. "Biden has totally lost control of the Israel situation," said Trump, whose rise in 2016 depended heavily on white Christian conservatives. "Any Jewish person who votes for a Democrat or votes for Biden should have their head examined."

Trump spoke after Biden last week warned Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu that future US support for Israel's Gaza war depends on the swift implementation of new steps to protect civilians and aid workers. In Trump's interpretation, Biden "has totally

abandoned Israel." The Gaza conflict has sandwiched Biden between conservatives — both Christian and Jewish — who want stalwart support for Netanyahu's government, and progressives. The matter is important to conservative Christians, among Trump's most supportive constituencies, who see the political state of Israel as the modern manifestation of God's chosen people, the Israelites of the Old Testament in the Christian Bible. Biden's left flank, though, is dominated by progressives incensed by Israel's retaliation in Gaza that has resulted in thousands of Palestinian deaths. The president has repeatedly been greeted by protesters throughout his spring travels, and activists have organised votes against Biden in many Democratic primaries, even as he coasts to renomination. The president's campaign pushed back on Wednesday. "Jewish Americans do not need to be 'spoken to' or threatened by Donald Trump," said Biden spokesman James Singer. "This is what Trump does, using division and hate as political weapons while seeking power for



himself. Voters of all stripes will reject his chaos, violence and unhinged threats once again in November." In Georgia, Trump stoked his Christian base anew by putting the Election Day stakes in religious terms. "November 5th is the most important day in the history of our country, and it's going to be Christian Visibility Day," Trump said, repeating for emphasis: "Christian Visibility Day." Christians, he predicted "are going to come out, and they're going to vote like never before." The former president was nodding to conservative Christian anger over the International

Transgender Day of Visibility, a worldwide celebration of transgender persons and acknowledgement of their struggles, and Biden's recognition of the occasion.

The observance traces its origins to 2009 but it has grown in prominence, and this year coincided with Easter Sunday, the holiest day of the Christian calendar. When Biden, a Catholic, issued a March 29 proclamation declaring the same Sunday to be the official Transgender Day of Visibility in the United States, conservatives reacted with a social media firestorm, with some commenters even suggesting Biden and his aides deliberately set the date to insult Christians. "Today, we send a message to all transgender Americans: You are loved. You are heard. You are understood. You belong," Biden said in the proclamation. "You are America, and my entire administration and I have your back." One of the president's critics ignored the fact that he separately issued a statement on Easter itself, specifically reflecting his own faith.

Sakshi Malik

Flaunts Her Curves In Grey Metallic Saree, Hot Video Goes Viral

Sakshi Malik has left all her fans in awe with her bold video. She constantly shares hot photos on social media which immediately go viral. Today, also Sakshi shared another video in which she is seen flaunting her sexy side in a grey metallic saree. In the video, we can see her flaunting her curves as she walks wearing saree. She has opted for minimalistic makeup and left her hair open. She has dropped a grey heart as a caption. Fans dropped heart emojis. Some even called her gorgeous in the comment section. In March 2021, Sakshi Malik filed a defamation suit against the makers of the movie V, starring Nani and Sudheer Babu, accusing the makers of using her pictures without permission. Sakshi sought the deletion of the scene where a portfolio picture of hers was used without her permission. The Bombay High Court has ordered that the film be



restrained until the scene in question is deleted, following which Amazon Prime Video removed the film from their platform. The thriller released on September 5, 2020 and has been removed from the OTT platform following the court's order. The court had asked the makers of the film, Venkateshwara Creations Private Limited to take down the film in all versions, irrespective of language and sub-titles until the said deletion, reported Livelaw.

Sakshi accused Venkateshwara Creations of using the picture in the movie to depict a commercial sex worker. Her counsel, Alankar Kirpekar and Saveena T Bedi, argued that the actions by the filmmakers resulted in an unauthorised invasion of privacy. The judge said, "The fact that the image has been illicitly used is bad enough. It only makes matters worse when used in a plainly derogatory and demeaning vein." V, which featured Nani, Sudheer Babu, Aditi Rao Hydari, and Nivetha Thomas in the lead roles, was released on Amazon Prime Video on September 5, 2020. The project later had a theatrical release on January 1, 2021.

Raveena Tandon

Seeks Blessings At Trimbakeshwar Shiva Temple With Daughter Rasha Thadani

Besides being a star, Raveena Tandon is a family-oriented person and her social media handle is proof. Despite her busy schedule, she prioritises spending quality time with her family, especially her daughter Rasha Thadani. Not only this, she also keeps her fans engaged with glimpses of her personal and professional life. Raveena Tandon's most recent Instagram post features her at Grishneshwar Jyotirlinga temple and Trimbakeshwar temple in Maharashtra. Raveena Tandon was accompanied by her daughter Rasha. In a series of pictures, Raveena Tandon is seen posing at the temple with her daughter Rasha after seeking blessings. Accompanied by the caption "Om Namoh Shivaye!", the photos showcase Raveena and Rasha exuding mother-daughter goals with their million-dollar smiles. Raveena was dressed in a simple white and green printed kurta set, and Rasha donned an all-green traditional suit for their sacred temple visit. One snapshot captures Raveena taking a selfie.



Just a few days before, Raveena Tandon treated her followers to insider snapshots from Taylor Swift's concert in Singapore. The post featured the mother-daughter duo embracing each other and thoroughly enjoying Swift's performance on Love Story. Additional clips provided a glimpse into their joyful moments amidst the electrifying atmosphere of the concert. Raveena Tandon captioned the pictures with "Just mom-daughter things" along with a heart emoji.

On the professional front, Raveena Tandon was last seen in the courtroom drama Patna Shuklla. In the film, she portrays the character of Tanvi Shukla, a determined lawyer on a mission to expose a significant scandal within the education system. Produced by Arbaaz Khan, the movie premiered on Disney+ Hotstar and was directed by Vivek Budakoti. Next, Raveena Tandon has Welcome To The Jungle in her kitty. The third instalment of the Welcome franchise, directed by Anees Bazmee, will feature Akshay Kumar in the lead role. Speaking about her role in the film, the actress told News 18 Showsha, "I think it's a big party that's happening there! We are having a blast. Shooting that was so much fun!"



Sonu Gowda Shares Glimpses Of Her Enviably Saree Collection On Ugadi



Bigg Boss OTT Kannada contestant Sonu Gowda often makes headlines with her photos and videos on social media. She is an influencer and actress who rose to fame through her lip-sync videos on Instagram and TikTok. Her follower count skyrocketed after she became a finalist in Bigg Boss OTT Kannada 2022. Sonu Gowda wore a variety of sarees for the Ugadi festival. In the first outfit, Sonu dazzled in a bright yellow saree embellished with delicate pink borders and elegant gold zari work that gracefully accentuated her silhouette. To match the saree, she wore a pink blouse with intricate patterns. The jewellery she chose, a statement necklace with matching earrings and bangles, added a touch of royal charm to her look.

Sonu Gowda's second look featured a green saree with rich orange borders. The saree was embellished with gold motifs that exuded an aura of traditional elegance. Her blouse featured intricate embroidery that befitted the festive occasion.

For her final look, Sonu Gowda chose a bright pink saree that shimmered softly in golden tones. This dress was a symphony of colour and texture, highlighted by the gold zari work that shimmered subtly with every movement. Her blouse was simple yet sophisticated, allowing the saree to take centre stage. She kept her hair, which has been styled into soft curls, open. Sonu Gowda's jewellery reflected the warmth of her saree, she was a picture of grace and sophistication. Sonu Gowda primarily works in Kannada-language films. She made her debut in Inthi Ninna Preethiya and has acted in films like Paramesha Panwala and Gulama. She has also acted in Tamil and a few Malayalam films, in which she is seen as Shruthi Ramakrishnan. Sonu was born to Ramakrishna, a make-up artist who has worked in the Kannada film industry. She has a sister, Neha Gowda, who is known as a television actress for her roles in the Telugu television serial Swathi Chinukulu, the Kannada soap opera Lakshmi Baramma and Kalyana Parisu. Sonu attended Carmel High School in Padmanabhanagar, Bangalore.

Actress Meenakshi Chaudhary's T-shirt With Blazer Look Cool For The Summer



Meenakshi Chaudhary is one of the renowned faces of Telugu and Tamil films. Alongside her on-screen talent, Chaudhary is also quite popular for her active social media presence. She always makes heads turn with her outstanding fashion choices and her Instagram handle is the proof. Recently, the actress shared a couple of casual photographs of herself, which have taken the internet by storm. In the pictures, Meenakshi donned a basic white t-shirt, which she teamed with a black blazer and faded black denim. She chose minimal makeup, including Kohl-rimmed eyes and nude lips. She left her hair open in soft curls as she completed her look. Take a look at the pictures:

The pictures went viral in no time. Fans showered their compliments in the comments section. One of the users wrote, "You are insanely gorgeous, Meenakshi." Another one wrote, "What a majestic and captivating capture." Many also dropped red heart emoticons. Five days ago, Meenakshi dropped a couple of pictures where she stayed in a white crop top and printed scarf rounded her neck. She chose no makeup, left her hair open and wore a pair of silver hoops, which added glam to her basic outfit. Meenakshi Chaudhary recently graced the screen in the Tamil coming-of-age film Singapore Saloon. Directed by Gokul, the movie features an ensemble cast including RJ Balaji, Sathyaraj, Lal, and others, further solidifying Chaudhary's standing in the industry. The actress will soon be seen in the upcoming film The Greatest of All Time. It is an upcoming Tamil science fiction action film directed by Venkat Prabhu and produced by AGS Entertainment. The film features Vijay in dual roles, along with Prashanth, Prabhu Deva and Meenakshi Chaudhary playing other pivotal roles.